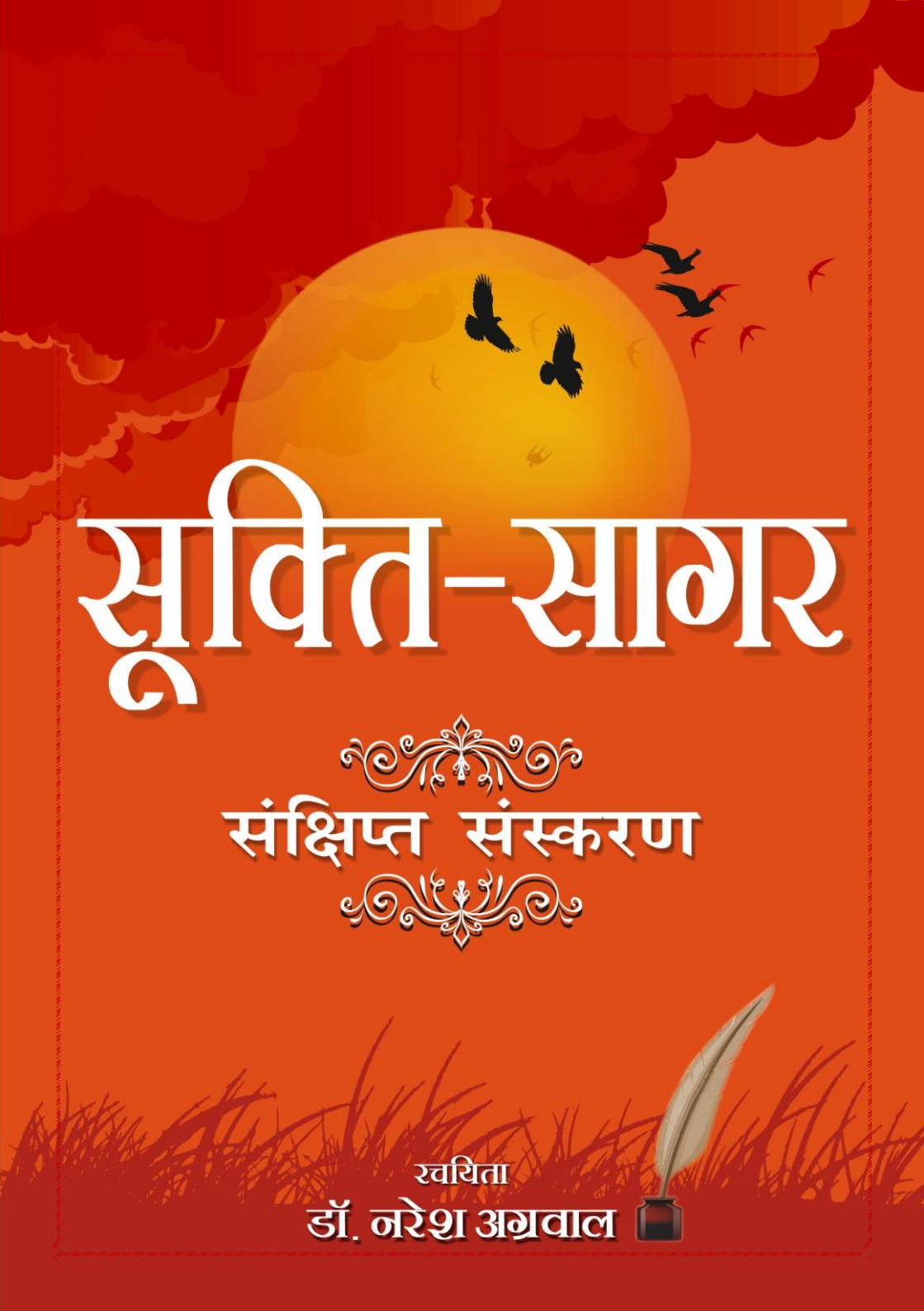

सूक्ति-सागर

संक्षिप्त संस्करण

रचयिता
डॉ. नरेश अग्रवाल

सूक्ति–सागर

(संक्षिप्त संस्करण)

रचयिता – डॉ. नरेश अग्रवाल

© सर्वाधिकार सुरक्षित – डॉ. नरेश अग्रवाल

इस 'ई–पुस्तक' का प्रकाशन डॉ. नरेश अग्रवाल द्वारा स्वयं किया गया है।

पुस्तक के रूप में इसका प्रकाशन– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, द्वारा सन् 2014 में किया जा चुका है।

ई–पुस्तक प्रकाशन वर्षः सन् 2014

प्रकाशन संस्थान
4715/21 दयानंद मार्ग, दरियागंज,
नई दिल्ली – 110002
फोनः 23253234,
65283371

डॉ. नरेश अग्रवाल-एक परिचय

''नरेश का मिजाज एक चिन्तक का है, वे जीवनानुभवों की गहराई में उतरने का माद्दा रखते हैं।'' – इंडिया टुडे

इन प्रेरक सूक्तियों की रचना के पीछे लेखक का एक दीर्घ संघर्षमय जीवन जुड़ा है, साथ ही भारतवर्ष में संभवतः यह पहला प्रयास होगा जब किसी लेखक द्वारा 1000 सूक्तियाँ हिन्दी भाषा में लिखी गयी। नीचे डॉ. नरेश अग्रवाल का संक्षिप्त परिचय दिया जा रहा है, जो उनके व्यक्तित्व को समझने में मदद करेगा।

1. 16 वर्ष की आयु में शतरंज खेल का कठिन अभ्यास किया तथा जमशेदपुर की तरफ से बोकारो में आयोजित राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में भाग लिया तथा पुरस्कृत हुए। साथ ही जमशेदपुर में जिला स्तरीय शतरंज संघ की स्थापना की।
2. 18 वर्ष की आयु से लेकर वर्त्तमान तक व्यापार में पूर्णरुप से समर्पित।

3. पौधों की बोनसाई विद्या में पूर्ण रुप से पारंगत तथा हजारों र्दुलभ पौधे इनके संग्रह में शामिल। बोनसाई में अनेक पुरस्कार मिले तथा अनेक बोनसाई पौधों की स्तरीय प्रदर्शनी लगाने का अनुभव । बोनसाई विद्या पर एक पुस्तक भी लिखी। कलकत्ता में राज्य स्तर पर आयोजित बोनसाई प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में चुने गए। अनेक शहरों में बोनसाई पर कार्यशाला का आयोजन किया।
4. ज्योतिष एवं हस्त रेखा विद्या का विस्तृत अध्ययन तथा अच्छा ज्ञान प्राप्त किया।
5. होम्योपैथी में कई साल तक विस्तृत अध्ययन तथा अच्छी जानकारी अर्जित की।
6. पढ़ने का बचपन से शौक रहा और लगभग 5000 पुस्तकें उनके निजी पुस्तकालय में संग्रहित।
7. स्तरीय साहित्यिक कविताओं की 6 पुस्तकों का प्रकाशन तथा शिक्षा सम्बन्धित 5 पुस्तकों का प्रकाशन। साहित्य जगत में रचित पुस्तकों को अच्छी ख्याति प्राप्त। 'इंडिया टुडे' एवं 'आउटलुक' जैसी पत्रिकाओं में भी इनकी समीक्षाएँ एवं कविताएँ छपी

हैं। देश की सर्वोच्च साहित्यिक पत्रिका 'आलोचना' में भी इनकी कविताओं को स्थान मिला है। लगभग सारी स्तरीय साहित्यिक पत्रिकाओं में कविताएँ प्रकाशित।

8. 'मरुधर' रंगीन द्विमासिक साहित्यिक पत्रिका का सम्पादन पिछले चार वर्षों से लगातार कर रहे हैं, जो आर्ट पेपर पर छपती है।
9. 'हिंदी सेवी सम्मान', 'समाज रत्न' सम्मान आदि अनेक सम्मानों से सम्मानित।
10. शहर में पुष्प प्रदर्शनी, कवि सम्मेलन, बोनसाई प्रदर्शनी आयोजन का लम्बा अनुभव।
11. फोटोग्राफी विद्या में पूर्ण रुप से दक्ष तथा अपने भ्रमण के दौरान हजारों तस्वीर का संग्रह इनके बेवसाईट पर उपलब्ध।
12. यात्रा के बेहद शौकिन तथा अनगिनत जगह की यात्रा की तथा यह सिलसिला जारी है।

सम्पर्क – रेखी मेन्शन, 8 डायगनल रोड, बिष्टुपुर,
जमशेदपुर–831001
दूरभाष – 9334825981
ई. मेल – smcjsr77@gmail.com
website: www.nareshagarwala.com

'सूक्ति-सागर' के कुछ मुक्ता

जल्दबाजी

जल्दबाजी से हमारे द्वारा किये गये कार्य ओस की तरह हल्के होने लगते हैं। ये बजाए हमें कुछ देने के, हमारा साथ छोड़ने लगते हैं।

दुर्लभता

दुर्लभता का अस्तित्व वहीं तक है, जब तक हम वहाँ नहीं पहुँचते है।

पेड़

पेड़ काटने वाले को भी अपनी छाया का अंतिम सुख देकर ही जमीन पर गिरते हैं।

पिता

पुत्र के चेहरे की थकान, पिता के मन की थकान बन जाती है।

भोजन

बबूल का पेड़ आपकी नजरों में काँटों से भरा है और ऊँट की नजरों में भोजन से।

भीड़

भीड़ में खड़ा होना आपका मकसद नहीं है; बल्कि भीड़ जिसके लिए खड़ी है वह बनना आपका मकसद है।

सच

सच कटु होता है, फिर भी लोग सच ही सुनना पसन्द करते हैं, बजाए झूठ के।

राज्य

डालियाँ काटों को पनाह देती है और फूलों को भी; एक राज्य के साथ ऐसी मजबूरी हमेशा जुड़ी रहती है।

व्यवसायी

जो व्यवसायी स्वयं अपने एवं लोगों के श्रम, पूंजी, भवन, मशीनों, भण्डार, आदि की गति एवं स्थिति के एक–एक पल का हिसाब रखते हैं, वे ही सही उद्यमी होते हैं।

संघर्ष

प्रत्येक संघर्ष में एक आशा की किरण हमेशा दिखलाई पड़ती रहती है।

अनुपात

उचित अनुपात के मेल से ही दुनिया के सारे काम आगे बढ़ते हैं।

शहर

एक ऐतिहासिक शहर में उसका बुढ़ापा और जवानी साथ-साथ दिखेंगे।

ज्ञान

परिपक्व ज्ञान अपने चमत्कार दिखाने में देर नहीं करता।

अपशब्द

अपशब्द एक चिनगारी है जो कानों में नहीं मन में जाकर जलती है।

कला

जब आपके पास कला है तो आप साधरण को भी असाधारण बना सकते हैं।

कलाकार

एक कलाकार मिट्टी से भी सबसे अच्छे कण चुनने की योग्यता रखता है।

क्रोध

क्रोध वो हथोड़ा है, जो किसी भी जोड़ को कुछ पलों में तोड़ देता है।

दौड़

अपने को मजबूत रखिये, लम्बी दौड़ में भाग लेने का मौका कभी भी आ सकता है।

धरोहर

सफलता की बहुत सारी गुप्त युक्तियाँ पीढ़ी दर पीढ़ी परिवार की धरोहर बनकर रहती है।

बेटी

पिता बेटी के घर आने की खुशी नहीं; बल्कि ससुराल से मिली खुशी को देखना चाहता है।

यह 'सुक्ति-सागर'

जिस व्यक्ति को अपने जीवन में विभिन्न प्रकार के कार्यों में संलग्न लोगों से मिलने-जुलने तथा उनसे बराबर बातचीत करने तथा उनके कार्य-व्यवहारों को देखने तथा समझने का अवसर प्राप्त हो जाता है, तो एक प्रकार से वह व्यक्ति मानव मनोविज्ञान का पारखी ही बन जाता है। इस प्रकार के किसी गुणी व्यक्ति से आपकी मुलाकात यदा-कदा ही हो सकती है। कुछ ऐसे ही व्यक्तित्व के स्वामी हैं- डॉ. नरेश अग्रवाल।

डॉ. नरेश अग्रवाल मूलतः एक व्यवसायी तथा उद्यमी है, इस कारण उनका सम्पर्क विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों से सदा होता रहता है। एक व्यवसायी तथा उद्यमी होने के साथ-साथ उनकी अभिरुचियों का क्षेत्र बड़ा व्यापक है। साहित्य के क्षेत्र में अब तक उनकी कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं तथा वे बहुरंगी पत्रिका 'मरुधर' के संपादक भी हैं। इस दृष्टि से वह व्यापारी तथा उद्यमी होने के साथ-साथ एक साहित्य-सेवी और विचारक भी हैं।

अपने जीवन में डॉ. नरेश अग्रवाल ने जो विविध अनुभव प्राप्त किए हैं और उन पर चिंतन करते हुए उन्होंने अपने विचारों को एक विशेष विधा में अभिव्यक्त करने का सफल प्रयास किया है। यह विधा है– सूक्ति। आज यह विधा साहित्य की अन्य विधाओं की तरह बहुचर्चित नहीं है। यह भी कहा जा सकता है कि अब एक प्रकार से यह उपेक्षित विधा बन गई है। डॉ. नरेश अग्रवाल बराबर नया सोचने और नया करने के पक्षधर रहे हैं। इस बार उन्होंने सूक्तियों की रचना करने की चुनौती स्वीकार की है। उन्होंने एक हजार से अधिक स्वरचित सूक्तियों की रचना कर, आज की लगभग सर्वथा उपेक्षित, पर अनिवार्य विधा का पूनरुद्धार करके एक अत्यंत प्रशंसनीय तथा उल्लेखनीय कार्य किया है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस पुस्तक में सम्मलित उनकी सूक्तियाँ मौलिक हैं। इनके इस 'सूक्ति–सागर' में उतरने के लिए बहुत हाथ–पैर मारने की आवश्यकता नहीं है। विश्राम तथा बैठे–ठाले क्षणों में भी इस 'सूक्ति–सागर' में अवगाहन कर कोई भी व्यक्ति इनसे प्राप्त बहुमूल्य मुक्ताओं को सहज ही प्राप्त कर सकता है।

केवल आशा ही नहीं, बल्कि पूर्ण विश्वास के साथ यह कहा जा सकता है कि डॉ. नरेश अग्रवाल के सूक्ति–सागर का मुक्तकंठ से स्वागत किया जाएगा।

श्रवणकुमार गोस्वामी

पूर्व सदस्य, हिन्दी सलाहकार समिति,
गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली–1
आश्रय, नयी नगड़ा टोली
चौथी गली (पूरब)
राँची – 834001
दूरभाष– 0651– 2562960
मो. – 95251 35158

पूर्व लिखित पुस्तकों पर सम्मतियाँ

''नरेश का मिजाज एक चिन्तक का है, वे जीवनानुभवों की गहराई में उतरने का माद्दा रखते हैं।''

– इंडिया टुडे

''सब कुछ को सलीके से छिपाकर वे अपने पाठक को सरल से सरल भाषा में दृश्य–दर–दृश्य, कुछ अनसुने, अनदेखे और अनजाने को सुनने, देखने और जानने के लिये उकसाते हैं। इसलिए उस मर्म और तत्व को ढूँढ़ते हुये, वहाँ तक पहुँचने की प्रक्रिया में वे पाठक को खोजकर पाने के सुख से सुखी कर देना चाहते हैं। उसे अपने ढंग से अपने लिये पाकर पाठक के मन में उसके विस्तार और उसके प्रदर्शन की सबसे ज्यादा सम्भावना बनती है।''

लीलाधर जगूड़ी

(पद्मश्री एवं साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित)

''ये कविताएँ हृदय का उद्गार हैं, हृदय की बात है। प्रभविष्णु कविचित पर जीवन के प्रसंगों ने जो तरंगें उत्पन्न की, उनकी अक्षत अभिव्यक्ति सरल–सुगम भाषा में कवि का अभीष्ट है। ये जीवन–प्रसंग जाने–पहचाने, रोज–ब–रोज के

होते हुए भी एक विस्तृत सामाजिक–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत होकर नया अर्थ ग्रहण करते हैं।''

– अरुण कमल, कवि एवं सम्पादक

''नये घर में प्रवेश, नये घर में प्रवेश नहीं, कवि का अपनी अन्तश्चेतना की चौखटों को पारकर अपने आप को पाने, खोजने का प्रयत्न हे। गहन आत्मविश्लेषणात्मक है कवि की दृष्टि। दुनिया के सारे कुएँ से लेकर–कई कविताएँ।''

–चित्रा मुद्गल, उपन्यासकार

''श्री नरेश अग्रवाल की इन कविताओं में समय और परिवेश के प्रति कवि की विनम्रता आकर्षित करती है। इनमें किसी प्रकार का भावुक आवेश या आक्रामक उबाल नहीं है, न अनुभव और भाषा की स्फीति। अभिव्यक्ति का यह अनुशासन इन कविताओं को प्रौढ़ और चिन्तनपरक बनाता है।''

–श्री विश्वनाथ तिवारी
कवि एवं सम्पादक, दस्तावेज

''आपकी सृजनात्मकता ने नये धरातलों को स्पर्श किया है। अपने आसपास के जीवन से यह संलग्नता इनकी एक विशिष्ट पहचान बनाती है। संवेदनात्मक गहराई में डूबी हुई

इन कविताओं को पढ़कर बहुत अच्छा लगा। आपकी मार्मिकता मन को छूती है।''

– विजय कुमार, कवि एवं आलोचक

''आपकी प्रकृति आधारित कविताएँ भी मात्र दृश्यचित्र नहीं हैं, उनमें मन बोलता है। कश्मीर को आपने सैरगाह की जगह संवेदना बनाया है। अगर इन पुस्तकों का वितरण ठीक प्रकार से किया जाए तो ये समाज के लिये उपयोगी सिद्ध होंगी।''

– ममता कालिया, साहित्यकार

''आपकी कविताओं में बड़ी सहजता है। अनुभवों का निर्व्याज आवेग है। बड़ी आत्मीय स्वतः स्फूर्तता है।''

– विजेन्द्र, कवि एवं सम्पादक

विषय-सूची

अ

अचानक, अनभिज्ञ, अनिद्रा 21
अनुपात, अपशब्द, अनुभव, अपमान, अनुभव 25-26
अफसोस, अच्छे लोग, आचरण, आत्मनिर्भरता,आलोचना 23-24
आदत, आशीर्वाद, आदी, आश्वासन, आशंका 24
आनन्द, आभूषण, अंगुलिया, आँखें, आँख, आँच 25-26

इ

इच्छा, इच्छापूर्त्ति, इच्छाएँ, इस्तेमाल, ईमानदारी 26-27

उ

उपलब्धियाँ, उपकार, उत्सुकता, उपाय, उद्यमी, उद्योग, उपलब्धियाँ, उपद्रव, ऊँचाई 28-31

ए

एकाग्रता 32

क

कलम, कला, कलाकार, कल्पनालोक, कबूतर, काम, कार्य प्रणाली, कामचोर, क्रोध, कुर्सी, कुएँ, कुल्हाड़ी, कुव्यवस्था, क्रोध, काँटे 32-37

ख

खुशी, खाना, खेल 37

ग

गहरा, गहराई, गलती, गलतियाँ, गोपनीयता, ग्रहणशील, गाँव 38-39

घ

घर, घोड़े, घुटने 40

च

चमत्कार, चतुराई, चलना, चरित्र, चालाक 41–42
चुपचाप, चील

ज

जल्दबाजी, जटिल काम, जमीन, जगह, जरूरत 42–46
जानकारी, जीवन, जीने का ढंग, जीभ, जिंदगी, जिद्दी
जिद, जिम्मेवारी, जोखिम, जेब, जंगल, जौहरी

झ

झोली, झूठ, 47

ठ

ठोकर 47

ड

डर 47

त

तरीका, तनाव, तलवार, तराजू 48
तराशना, ताजगी, तारीफ, तंगी 49
तैरना, तिलक, तृष्णा, तिनके 50

थ

थकान, थैला 50–51

द

दर्पण, दरवाजे, दान, दायित्व 51
दुर्लभता, दुर्घटना, दुःख, दूर, दीये, दिशा 52–53
दिमाग, दृश्य, दौड़ 53

ध

धन, धरोहर, धार, धैर्य, ध्यान 54–55

न

नदी, नन्हे, निमंत्रण, नयापन, नाराजगी 55–56
नियंत्रण, निगरानी, निपुण, निपुणता, निर्माण 57
निर्देश, नींद, नुकसान, न्याय, नौकरी 58–59

प

परिवार, पर्व–त्योहार, पतंग, पत्र, परामर्श, पतंग, पसन्द, परीक्षा, पर्व–त्योहार, पर्यावरण, पेड़, पिता, पुरस्कार 59–65
प्रयास, प्रेरणा, प्रबंधन, प्रबंधक, प्रदुषण, प्रसिद्धि 65–66
प्रशंसा, प्रेम, प्रतिभा, प्रतिस्पर्धा, प्रलोभन, प्रेरणा, पैसा, पुस्तकें, पुस्तक, पूजा 67–69

ब

बलवान, बचपन, बच्चे, बल 70
बहाने, बहुरूपिये, बुद्धिमान, बीज, बोझ 71
बेटी, बुढ़ापा, बुद्धि, बाहर, बेवकूफ 72–73

भ

भय, भविष्य, भोजन, भिक्षुक, भीड़, भूल, भ्रांति 73–74

म

मदद, मदद, महँगाई, महत्त्वपूर्ण, महत्त्वाकांक्षी, मनमुटाव, मनुष्य, मस्तिष्क, मातृभाषा, मार्ग, माँ, मेहनत 75–78

मौत, मौन, मूर्ख, मूर्खता 79

मुखिया, मुखोटा, मुसीबतें, मुलाकात, मिट्टी 80

य

यातना, यात्रा, यात्री, याद, योजनाएँ, योग्यता, युक्ति 81–82

र

रक्त दाता, राज्य, रास्ता, रास्ते, रास्ते रोजगार, रोशनी, रुकावटें, रुचि 83–85

ल

लगन, लाभ, लोभ, लोभी 86

लोकप्रियता, लेखन, लेखक 87

व

वाणी, वासना, व्यवस्था, व्यवसाय, व्यवसायी, व्यापार, व्यापारी, व्यवहार, विरोध, विस्तार, विशिष्टता, विकास, विकल्प, विदाई, विलम्ब, विकल्प, विवाद 88–94

श

शत्रु, शरीर, शहर, शहर, शरीर, शासक 94–95

शादी, शांति, शंका, शांत, शैली, शिक्षा 95–96

शौक, शिकार, शुरुआत 97

स

समानता, सहयोग, समाधान, स्वाद, समूह 98
समय, सपना, सच, सच्चाई, सत्य, सद्बुद्धि, सर्तकता 100
सफल, सहारा, समस्याएँ, समस्या 101
सहनशील, सामर्थ्य, साहित्य, साथ 102
सेवा, स्वाद, संतुष्ट, स्वादिष्ट, स्मृति, स्वरूप 104
सेना, संघर्ष, स्वार्थ, स्पर्द्धा, स्त्रियाँ 105
सुख, सुरक्षा, सुविधाएँ, सीढ़ियाँ, सूचित, सूर्योदय 106
सुरक्षा, सुरक्षित, सुशासन, संघर्ष, संकेत 107
संवाद, सीढ़ी, सिंचाई, सूरज 108

ह

हत्या, हस्ताक्षर, हास्य, हार 109
हानि, हुनर 110–111

क्ष

क्षमता 111

ज्ञ

ज्ञान, ज्ञानी 111–112

श्र

श्रम, श्रेय, श्रेष्ठता, श्रेष्ठ 113

सूक्ति-सागर

अ

अचानक

प्रयासरत लोगों में से एक व्यक्ति अचानक आगे निकलकर सबसे अधिक सफल हो जाता है।

अनभिज्ञ

एक बैलगाड़ी में बहुत कुछ लादा और उतारा जाता है। बैल पीछे की स्थिति से हमेशा अनभिज्ञ रहता है। एक नाकाम मनुष्य की स्थिति भी इन बैलों जैसी ही रहती है।

अनिद्रा

अनिद्रा से ऐसा चिड़चिड़ापन उपजता है जो अपनों को भी ठीक से नहीं पहचानता है।

अनुपात

उचित अनुपात के मेल से ही दुनिया के सारे काम आगे बढ़ते हैं।

अपशब्द

अपशब्द एक चिनगारी है जो कानों में नहीं मन में जाकर जलती है।

अनुभव

अनुभव अंधकार में भी खोजने के लिये आँखें देता है।

अपमान

किसी की भलाई करने के बाद सम्मान चाहने पर अपमान भी मिल सकता है, लेकिन केवल संतुष्टि चाहने पर, इसे कोई नहीं रोक सकता।

अनुभव

कभी–कभी हमारी उलझनें भी हमारे लिये ढेर सारा ज्ञान और अनुभव बटोर लाती है।

अनुभव

अनुभव की असंख्य आँखें होती है, इनसे कोई चीज छुप नहीं सकती और न ही बच सकती है।

अफ़सोस

अफसोस करने के लिए सौ बातें भी कम पड़ जाती हैं, जबकि खुश होने के लिए सिर्फ एक ही काफी है।

अच्छे लोग

अच्छे लोग किसी के लिए बुरा सोचते–सोचते भी अच्छा सोचने लगते हैं।

आचरण

दूषित आचरण जब आपके स्वजनों में हो तो ये वैसे काँटें है जिन्हें आप काट भी नहीं सकते और न ही चुभने से रोक सकते हैं।

आत्मनिर्भरता

आत्मनिर्भरता का एक पाँव अपने केन्द्र में मजबूती से जमा हुआ होता है और दूसरा पाँव नये उद्यमों की तलाश में इसके चारों ओर घूमता हुआ अपने केन्द्र को ही और अधिक मजबूती प्रदान करता रहता है।

आलोचना

जब हमारे स्वर आलोचना से दूर रहते हैं उन्हें प्यार किया जाता है और जब आलोचना के पास उनसे दूरी बनायी जाती है।

आलोचना

व्यक्ति के काम में तल्लीनता के समय उसकी आलोचना करना घोर दुखदायी है, यह छाते के आस-पास मँडरा रही मधुमक्खियों को छेड़ने जैसा ही है।

आदत

किसी भी चीज के पीछे पड़कर उसे सीखने की आदत महान लोगों में होती है।

आशीर्वाद

आशीर्वाद का स्मरण आपको हमेशा भयमुक्त रखता है।

आदी

जब आप काँटो पर हाथ रखने के आदी हो जाते हैं तो फिर वे भी प्यारे लगने लगते हैं।

आश्वासन

कानों में आश्वासन भरना सस्ता होता है लेकिन मुख में स्वाद डालना महँगा।

आशंका

कुछ अच्छा होने की आशा में लोग दिन गिनते हैं और बुरा होने की आशंका में रातें खो बैठते है।

आनन्द

घूमने–फिरने का आनन्द लेने के लिये आपके पास अच्छी आँखें और बौद्धिक समझ होनी चाहिये।

आभूषण

औरतों को वैसे आभूषण कहाँ नसीब जो प्रकृति ने पहन रखे हैं।

अंगुलिया

अंगुलियों पर नचाना बड़ा आसान है लेकिन अंगुलियाँ पकड़कर कुछ सिखाना बेहद मुश्किल।

आँखें

जितनी बार आप अच्छी तरह से आँखें खोलते हैं, उतनी बार कुछ न कुछ नया सीख लेते हैं।

आँखें

जब तक आप अपनी आँखों से नहीं देखेंगे तब तक दूसरों की आँखें आपको भ्रमित करती रहेंगी।

आँख

असल कलाकृति वो है जिससे दर्शकों की आँख ही चिपक जाए।

आँख
कदम–कदम पर दुर्घटना छिपी है, आप आँख खोलकर चलें तो उनसे बच सकते हैं।

आँच
कारीगरों को समय पर पैसे नहीं मिलने पर उनके चूल्हे की आँच धीमी हो जाती है।

इ

इच्छा
अनगिनत सम्भावनाओं से भरी हुई है यह दुनिया। प्रत्येक इच्छा को कोई न कोई सम्भावना सामने खड़ी अवश्य मिलती है।

इच्छा
अधूरी इच्छा से काम करने वाले, काम को उलझा देते हैं।

इच्छापूर्त्ति
आपकी इच्छापूर्त्ति की सम्भावना अनेक स्रोतों में छिपी होती है।

इच्छाएँ

हमारे सारे कार्यों के संपादन में सबसे पहले हमारा शरीर फिर हमारी सोच या हमारी इच्छाएँ ही अवरोध डालती हैं। यहाँ से आगे बढ़ने के बाद ही दूसरी कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

इच्छाएँ

कई इच्छाएँ धीरे–धीरे पूरी होती हैं, कई इच्छाएँ धीरे–धीरे मर भी जाती हैं।

इस्तेमाल

चोरों की एक खासियत है कि वे रात को भी दिन की तरह इस्तेमाल कर लेते हैं।

ईमानदारी

अपनी ईमानदारी स्थापित करने के लिए आपको अनेक परीक्षाओ से गुजरना पड़ता है।

उ

उपलब्धियाँ

जिस तरह से उपलब्धियों के पीछे हम भाग रहे होते हैं, उपलब्धियाँ भी हमारे पीछे भाग रही होती हैं। मजबूत हाथों को वजनदार उपलब्धियाँ मिलती हैं एवं कमजोर को हल्की।

उपकार

चूहे को बिल्ली से बचा लेने पर भी उसे आपका उपकार समझ नहीं आता, यही हाल मूर्खों का भी होता है।

उत्सुकता

एक विफल व्यक्ति को अत्यधिक उत्सुकता होती है यह देखने की, दूसरे कैसे उसके छोड़े हुए काम को सफलतापूर्वक करते हैं।

उपाय

सबसे अच्छा उपाय भी बिना उपयोग के वेबस बना रहता है।

उद्यमी

अपने कामगारों की असफलता का हर्जाना उद्यमी को चुकाना पड़ता है।

उद्यमी

उद्यमी कबूतरों की तरह ऐसा ठौर तलाशते हैं, जहाँ उनका स्थायित्त्व बना रहे।

उद्यमी

एक उद्यमी की सबसे बड़ी भूख होती है, अधिक से अधिक लोगों को अपने व्यापार से जोड़ना।

उद्यमी

एक उद्यमी की सबसे बड़ी खुशी है ईमानदार एवं कार्य में दक्ष लोगों से उसका घिरा होना न कि चापलूसों से ?

उद्यमी

उद्यमी अनुपयोगी लोगों को भी आदर से विदा करते हैं तथा उनके उपयोगी हो जाने पर उन्हें काम देने में भी नहीं हिचकते।

उद्यमी

उद्यमी जब अपनी व्यवस्था की पूरी ताकत को निचोड़ पाते हैं तो उनके हाथ में सफलता ही सफलता होती है।

उद्यमी

होशियार उद्यमी प्रत्येक चीज को बेहद जरूरी बनाकर लोगों के समक्ष प्रस्तुत करते हैं और अपने उत्पाद एवं बिक्री में बढ़ोतरी करते जाते हैं।

उद्योग

जिन लोगों से काम कराया नहीं जाता बल्कि वे खुद–बखुद करते हैं, उनके आगे बढ़ने की क्षमताओं का किसी भी उद्योग में बहुत बड़ा मूल्यांकन हो सकता है।

उद्योग

एक उद्योग का ढाँचा सक्षम लोगों की हड्डियों से निर्मित होता है।

उद्योग

ऐसे गुणवानों का समूह जिनकी प्रतिभा को अभी तक पहचाना नहीं गया है, एक नये उद्योग के लिए काफी लाभकारी हो सकते हैं तथा कम खर्चीले भी।

उपलब्धियाँ

हमारी उपलब्धियाँ छोटी और बड़ी उपलब्धियों का मिश्रण ही है।

उपलब्धियाँ

बुढ़ापे में पूर्व संचित चीजें और उपलब्धियाँ ही जीवन को आगे बढ़ाने का सहारा बनती हैं।

उपद्रव

उपद्रव हमेशा कमजोर लोगों को ही अधिक परेशान करते हैं।

ऊँचाई

ऊँचाई पर चढ़ते ही आपको अपनी क्षमता का अंदाजा लगना शुरू हो जाता है।

ए

एकाग्रता
काम में एकाग्रता न रखने पर, कामगारों की सारी भूलों का नुकसान उद्यमी को उठाना पड़ता है।

क

कलम
किसी के भी किए गए कार्यों को कलम ही कोई रूप दे सकती है, वरन् काम तो होते रहते हैं, अपनी पहचान खोते रहते हैं।

कला
जब आपके पास कला है तो आप साधरण को भी असाधारण बना सकते हैं।

कला
बिक्री बढ़ाना एक कला है, बिक्री करके पैसे वसूलना उससे भी बड़ी कला है।

कलाकार

कलाकार मूर्त्तियों की तरह चुप रहकर ही बहुत कुछ बोल जाता है।

कलाकार

एक कलाकार मिट्टी से भी सबसे अच्छे कण चुनने की योग्यता रखता है।

कलाकार

जितने तरह के काम आपने किये हैं, उतनी ही तरह के कलाकार आपके भीतर छुपे होते हैं।

कलाकार

मूर्त्ति के पीछे उसका कलाकार बोलता है और कलाकार के पीछे उसकी कला बोलती है।

कलाकार

श्रेष्ठ कलाकार कभी अवसर के लिए नहीं तरसते।

कल्पनालोक

भ्रमण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि जो दृश्य कल्पनालोक की तरह हमारे मन में थे, उन्हें अब उनका वास्तविक शरीर मिल चुका होता है।

कबूतर

एक कबूतर के लिए उसके सहारे पुण्य कमाने वाले सौ हाथ हमेशा मौजूद रहते हैं।

कबूतर

कबूतर मंदिर जैसी शरणास्थली में ही अपना निवास बनाने की चतुराई करते हैं।

काम

एक कुशल आदमी अपने काम को तेजी से करके सैकड़ों घंटों बचा लेता है और एक धीमी गति से चलने वाला अपने सैंकड़ों घंटे गँवा देता है।

काम

काम सिखाया नहीं जाता बल्कि छीनकर सीखा जाता है।

काम

काम हमेशा त्वरित गति चाहते हैं, शिथिलता नहीं। जहाँ शिथिलता है वहाँ काम का कोई अस्तित्व ही नहीं।

काम

प्रत्येक काम में हमेशा गुंजाइश होती है, उसे और अच्छी तरह से करने की।

काम

काम का तरीका बदलने से, थकान अक्सर मुस्कान बन जाती है।

काम

जिन्हें काम नहीं करना है, उन्हें पानी की बूंद भी तालाब दिखाई देता है।

कार्य प्रणाली

एक कमजोर कार्य–प्रणाली लाभ के बजाए हानि अधिक पहुँचाती है।

कामचोर

कामचोर, हमेशा काम को अधूरी अवस्था में छोड़ कर चले जाते हैं।

क्रोध

कुछ लोगों का नकारने का तरीका इतना प्यारा होता है कि उनपर हम क्रोध नहीं करते।

क्रोध

क्रोध वो हथोड़ा है, जो किसी भी जोड़ को कुछ पलों में तोड़ देता है।

कुर्सी
आदर और सम्मान की कुर्सी में समय बहुत अच्छा कटता है।

कुएँ
कुएँ जैसी गहरी चीजों के पास ही कुछ होता है, अपने पास से निकालकर कुछ देने के लिए।

कुल्हाड़ी
अपने ही लगाये पेड़ को काटने के लिये उठायी गयी कुल्हाड़ी हाथों से गिर जाती है।

कुव्यवस्था
कुव्यवस्था में उलझन और थकान ही होती है।

कुव्यवस्था
जितनी समाज में कुव्यवस्था होगी, उतनी ही लोगों में उथल-पुथल मची रहेगी।

क्रोध
मूर्खों परे क्रोध करना अपने सिर पर हथोड़ें मारना है।

कॉंटे
फूल खुशियों की तरह थोड़ी देर के लिए हमारे पास खिलते हैं एवं मुरझा जाते हैं, जबकि कॉंटे– हमारे साथ एक लम्बा जीवन जीते हैं।

ख

खुशी
प्रत्येक खुशी आपके सिर पर कुछ नये दायित्व भी डाल देती है।

खाना
जो सुख पसंदीदा खाना देता है, वो हजार तरह के पकवान भी नहीं दे पाते।

खेल
जब काम में आप पूरे मन से शामिल होते हैं, उस वक्त कोई खेल ही खेल रहे होते हैं।

ग

गहरा
जितना गहरा हम सोचते हैं उतना गहरा हम लिख पाते हैं।

गहराई
जिसमें कभी गहराई नहीं देखी, वह कुएँ को भी पूजने लगता है।

गलती
जब आपने एक गलती को सुधारा है, यह कोई खास बात नहीं, लेकिन जब आपने एक काम की अनेक गलतियों को सुधारा है, तो समझिए आपने बहुत कुछ सीख लिया है।

गलतियाँ
गलतियाँ जब हमारी मित्र हो जाती है तो हमें फिर उनमें कोई दोष नहीं दिखाई देता।

गलतियाँ
गलतियाँ हमेशा छिपी हुई रहती है, वे खोजने पर ही नजर आती हैं।

गलतियाँ
सजा देने के बाद ही गलतियाँ अपना स्थान छोड़ती हैं।

गलतियाँ
गलतियाँ सुधारने एवं स्वीकारने में सभी को कष्ट होता है।

गलतियाँ
कभी–कभी गलतियाँ सुधारने की कोशिश में हम बड़ी गलतियाँ कर बैठते हैं।

गोपनीयता
गोपनीयता को धारण करने के गुण श्रेष्ठ प्रबंधकों में ही होते है।

ग्रहणशील
जिद करने वालों के वनिस्पत लचीले ग्रहणशील लोग अपने तरीकों में सुधार करके आगे बढ़ते चले जाते हैं।

गाँव
एक गाँव अपने सारे लोगों की जानकारी रखता है और शहर सिर्फ अपनी।

घ

घर
अपने लोगों का साथ छोड़ देने वाला न घर का होता है और न घाट का।

घर
अपने काम से संतुष्ट लोग, निश्चित रुप से बहुत सारी शांति लेकर घर वापस लौट्ते हैं।

घर
जिसे अपने घर में ही सुख नहीं मिला उसे दूसरों का घर सुखी नहीं कर सकता।

घोड़े
घोड़े की नाल उसके मरने के बाद ही निकलती है।

घुटने
जो एक बार घुटने टेक देते हैं, फिर बिना सहारे के चल नहीं पाते।

च

चमत्कार

चमत्कार हमारे जीवन में अचानक मिली सफलता–बाहुल्य का ही कोई रूप है, जो हमें अचंभित कर देता है लेकिन यह हमारे पूर्व कर्मों को ही प्रगति देता हुआ रूप होता है।

चतुराई

गुणों का होना एक बात है, लेकिन उनका चतुराईपूर्ण इस्तेमाल उससे बड़ी बात है।

चलना

एक के साथ चलना मुश्किल है, लेकिन अनेक के साथ चलना बेहद आसान है।

चरित्र

आपसी वैमनस्य फैलाने वाले लोगों के चरित्र पर हमेशा शक होता है।

चालाक

चालाक लोगों में चालाकियाँ और मूर्खों में मूर्खता हर वक्त उपजती रहती है।

चुपचाप
चुपचाप वे लोग बैठे हैं, जिनमें सक्रियता के बीज का अभी तक आरोपण नहीं हुआ है। गतिशील हैं वे लोग जिन्होंने सृजन करना अब आरम्भ कर दिया है।

चील
पसंदीदा चीज मिलने पर ही चील ऊपर से झपट्टा मारती है, वैसे ही हमारे शौक भी।

ज

जल्दबाजी
जल्दबाजी से हमारे द्वारा किये गये कार्य ओस की तरह हल्के होने लगते हैं। ये बजाए हमें कुछ देने के, हमारा साथ छोड़ने लगते हैं।

जल्दबाजी
जल्दबाजी भूल की खुराक है।

जल्दबाजी
सक्षम बौद्धिक क्षमता वह है, जो जल्दबाजी में भी आपसे सही निर्णय करवाये।

जटिल काम

जटिल काम भी किये जाने के बाद आसान लगने लगते है।

जमीन

आप उसी जमीन पर पाँव रखते हैं जो आपको खड़ी रख सके।

जगह

दो काँटो की बगल में भी थोड़ी सी जगह होती है, उन्हें थामने के लिये।

जरूरत

जो अपनी जरूरतों को ठीक से समझते हैं वो दूसरी ओर भटकते भी कम हैं।

जानकारी

बिना सही जानकारी के, साधनों के आस–पास आप पहुँच नहीं पाते हैं।

जीवन

जीवन की सारी घटनाओं में एक वेग होता है; जैसा कि बीज के अंकुरित होने में या जैसा कि काँटे के चुभने

में, इन्हें कोई नहीं रोक सकता। कार्य खत्म होने के बाद इनकी त्वरा स्वयं ही नष्ट हो जाती है।

जीवन

जीवन की मुश्किलें हमेशा रात में अधिक बेचैन करती दिखाई देती हैं, दिन में नहीं, क्योंकि दिन हमें हमेशा मौका देता है उनसे लड़ने का।

जीवन

आदमी को केवल जीवन पुरस्कार में मिला है, जीवन यापन नहीं। यह उसे कभी भूलना नहीं चाहिये।

जीवन

जीवन में हम अपना बहुत सारा समय उनके लिए गुजार देते हैं, जिन्हें हमारी चिन्ता नहीं होती।

जीवन

सौन्दर्य प्रसाधन बेचने वाले सुन्दरता को मूल्यवान बतलाते हैं और दवा बेचने वाले जीवन को।

जीने का ढंग

एक जीने का ढंग जो आपको सुख देता है, हो सकता है वह दूसरों को दुःख दे।

जीभ

कड़वी चीजों को जब हम जीभ पर रखने नहीं देते तो फिर कड़वी बातों को क्यों ?

जिंदगी

औरतें जितना सम्मान और ध्यान अपने लिए चाहती हैं, उतना उसे जिंदगी में नहीं मिल पाता।

जिंदगी

पैसों का अभाव में जिंदगी के जीने का दायरा बेहद छोटा हो जाता है।

जिद्दी

जिद्दी लोगों को समझाने से अच्छा है, आप उन्हें समझाने की जिद छोड़ दें।

जिद

आपकी जिद भी कभी–कभी आपसे बहुत बड़े–बड़े काम करवा देती है।

जिम्मेवारी

चतुर व्यक्ति वे होते हैं जिन्हें एक काम सौंपे जाते हैं लेकिन अपनी क्षमता दिखाकर दूसरे कई काम भी

अपनी जिम्मेवारी में ले लेते हैं और दुगना लाभ हासिल करते हैं।

जोखिम

इच्छा के विरुद्ध किसी से काम करवाना, काम को जोखिम में डालना है।

जेब

आपकी थोड़ी सी सेवा के बाद चापलूसों की नजर आपकी जेब पर होती है।

जंगल

आप चाहे जंगल क्यों न चले जाएँ, वहाँ भी आप अपनी मन–मानी नहीं कर पायेंगे।

जौहरी

कौन सा समय बहुमूल्य है, उसे पहचानने के लिए, आपको एक जौहरी बनना होगा।

झ

झोली

दया और भीख की झोली फैलाने से तो अच्छा है, जो लोग श्रम का मूल्य चुकाते हैं, उनकी शरण में जाया जाये।

झूठ

अपने लाभ के लिए बोला गया झूठ अनगिनत लोगों को नुकसान पहुँचाता है।

ठ

ठोकर

ठोकर खाने के बाद गंभीरता से विकल्पों को खोजा जाता है।

ड

डर

हम अपने डर से जल्दी से जल्दी पीछा छुड़ाना चाहते हैं।

त

तरीका

अपनी चाहत को पूरा करने का तरीका आपमें धीरे–धीरे जनमता है।

तनाव

तनाव काम से नहीं; बल्कि काम से बहुत कुछ हासिल करने की लालसा से आता है।

तलवार

एक तलवार को कभी–कभी मालिक के पूरे जीवनकाल में भी सेवा का मौका नहीं मिलता। लेकिन यह कहना गलत होगा कि उसने कोई सेवा नहीं की। क्योंकि जब तक वह कमर में बँधी हुई थी, भयभीत जरूर किया लोगों को।

तराजू

कुव्यवस्था में न्यायालय के तराजू की डंडी एक डंडे में बदल जाती है।

तराशना
पत्थरों को तराशना बेहद मुश्किल काम है; क्योंकि इसमें एक गलती भी दोबारा सुधार का मौका नहीं देती।

ताजगी
मन की ताजगी की तरह, ताजा चीजों में होता है स्वाद।

तारीफ
तारीफ के स्वर चाहे छोटे हो या बड़े। ये तीव्र इच्छाशक्ति लेकर ही जुबान से निकलते हैं। इनका वार कभी खाली नहीं जाता। कुछ न कुछ हासिल करके ही लौटते हैं।

तारीफ
तारीफ से लोगों को अपने काम में स्वाद आता है, साथ ही यह विश्वास और धारणा भी कि इस तरह के काम लोगों द्वारा पसन्द किये जाते हैं।

तंगी
आर्थिक तंगी की छटपटाहट भूखे बच्चे जैसी ही है।

तैरना
हमारी सही दिशा हमें सागर पार करने को नहीं कहती; बल्कि तैरना सीखने का आग्रह करती है।

तिलक
सम्मान भरा तिलक भी उन्हें को शोभता है, जो इसके लायक होते हैं।

तृष्णा
आप में धन की तृष्णा बहुत अधिक बढ़ने पर एक दिन आप पायेंगे आप जी नहीं रहें हैं, धन के पीछे मर रहे हैं।

तिनके
तिनके भी जब एक साथ जमा हो जाते हैं तो एक तेज अग्नि को प्रज्वलित कर देते हैं।

थ

थकान
सारी शक्तियों को एक साथ लगा देने से आदमी थक जाता है। धीरे–धीरे लगाने से थकान से निजात पाता जाता है।

थैला

थैला सामान के साथ मूल्यवान और खाली होने पर मूल्यहीन हो जाता है।

द

दर्पण

दर्पण पर इसलिये क्रोध मत कीजियेगा कि वह आपकी झुर्रीयाँ दिखलाता है।

दरवाजे

सुरक्षित शहर में बंद और खुले दरवाजे में कोई फर्क नहीं रह जाता।

दान

एक संपन्न को दान देना, दूसरे जरूरतमंद का हक छीन लेना है।

दायित्व

जब पारिवारिक दायित्व अधिक होता है, काम के प्रति रुचि बढ़ जाती है। जब दायित्व का अभाव कम होता है, अनावश्यक कामों में उनकी रुचि अधिक बढ़ जाती है।

दुर्लभता

दुर्लभता का अस्तित्व वहीं तक है, जब तक हम वहाँ नहीं पहुँचते है।

दुर्घटना

जिनकी आँखें बन्द हैं उन्हें बिच्छु डंक मारने के बाद ही दिखाई देता है और जिनके कान बन्द हैं, उन्हें दुर्घटना के बाद ही चेतावनी के स्वर सुनाई देते हैं।

दुःख

काम करने वालों को काम का न मिलना ही उनका सबसे बड़ा दुःख है।

दूर

जो बहुत दूर निकलना चाहते हैं, वे अकेला चलना पसन्द करते हैं।

दीये

जलते हुए दीये दिवाली के त्योहार को सुबह तक बचाकर रखने की योग्यता रखते हैं।

दिशा

लोगों को सही दिशा नहीं मिलने पर, गलत दिशा ही उनका विकल्प बन जाती है।

दिशा

जागे हुए लोगों को जगाने की नहीं; बल्कि एक सही दिशा दिखाने की जरूरत होती है।

दिमाग

सुलझी हुई बातें हमेशा स्पष्ट दिमाग से ही बाहर निकलकर आती है।

दृश्य

सुन्दर दृश्य अपने आप को चारों ओर से खोले हुए रहते हैं। कुछ इनसे लाभ लेते हैं, कुछ लाभ लेना चाहते हैं तो कुछ इनके लाभ को समझ भी नहीं पाते।

दृश्य

जो एक फल की आशा से बगीचे में प्रवेश करता है, उसे बहुत सारे दूसरे फल–फूल और सुन्दर दृश्य भी अनायास ही प्राप्त हो जाते हैं। उसी तरह काम भी, किसी एक लाभ को पाने के लिए प्रेरित होते हैं लेकिन हमें उपलब्ध करा देते हैं और भी बहुत कुछ।

दौड़

अपने को मजबूत रखिये, लम्बी दौड़ में भाग लेने का मौका कभी भी आ सकता है।

ध

धन
धन को केवल संचय करने की बजाय जो उसके रूप को विशालता में बदल देता है, वही सही मायने में सच्चा उद्यमी है।

धरोहर
सफलता की बहुत सारी गुप्त युक्तियाँ पीढ़ी दर पीढ़ी परिवार की धरोहर बनकर रहती है।

धार
चाकू की धार की तरह दिमाग अपने धारदार हिस्से का प्रयोग दूसरों पर करता है।

धार
काम में धार होनी चाहिये, वरना वार खाली जाता है।

धैर्य
जो धैर्य धरते हैं उन्हें ही छिपा हुआ चाँद दिखलाई देता है।

ध्यान

ध्यान लगाने का अर्थ है अपने आप को प्रकृति को सौंप देने की चेष्टा।

न

नदी

एक नदी में प्रदूषण, उसकी जीव प्रजनन शक्ति का नाश करने लगता है।

नदी

एक नदी की व्यथा उसकी गंदी सूरत दर्शाती है।

नदी

नदी का जल आपकी अंजुरि में खेलने लगता है और पशुओं को नहलाने पर रोने लगता है।

नदी

जैसै पत्थर नदी की सबसे गहरी जगह को तलाश लेता है, वैसे ही गुणी विद्यार्थी ज्ञान को भी।

नन्हे

भीषण गर्मी में भी केवल नन्हे पौधों को सींचा जाता है, बड़े पेड़ों को नहीं।

निमंत्रण

जब हाथ में अन्न अधिक लेकिन हृदय में भावना कम हो तो, पक्षी भी आँख चुराते हैं। इस तरह से दिया गया निमंत्रण व्यर्थ ही जाता है।

निमंत्रण

एक बीमारी दूसरी अन्य बीमारियों को भी पास आने का निमंत्रण देने लगती है।

नयापन

जो निरंतर नया काम सीखते हैं, उनका नयापन कभी लुप्त नहीं होता।

नाराजगी

नाखुश लोग आपसे अपनी नाराजगी किसी न किसी रूप में उतारेंगे ही। आपको इसके लिये तैयार रहना चाहिये।

नियंत्रण

नियंत्रण करना एक बेहद मुश्किल काम है; क्योंकि आपकी आँखें जिन-जिन चीजों से हटती जायेंगी, वे नियंत्रण से बाहर होती जायेंगी।

निगरानी

आदेशों का अनुपालन तभी हो पाता है, जब कर्त्ताओं को यह अच्छी तरह से ज्ञात रहता है कि आदेशकर्त्ता उनके द्वारा हर पल किये गये कार्यों की निगरानी एवं जाँच कर रहा है।

निपुण

गैर जिम्मेवार लोग दूसरों के लिए परेशानियाँ खड़ा करने में बेहद निपुण होते हैं।

निपुणता

निपुणता अपनी चमक अपने आप दिखलाती है।

निर्माण

कम महत्त्व एवं बड़े महत्त्व की चीजें मिलकर भी एक अच्छा निर्माण कर लेती हैं।

निर्देश

थोड़े से निर्देश देने के बजाए बहुत सारे निर्देश एक साथ दिये जाने पर वे ध्यानाभाव के कारण बन जाते हैं।

नींद

महत्त्वपूर्ण काम में जाने के पहले की रात हमेशा एक उथल-पुथल वाली नींद देती है।

नींद

अधूरी नींद फुर्सत को तलाशती है और अधूरे काम मेहनत को।

नींद

दिन के श्रम और रात की नींद को बराबर महत्त्व देने वाला ही सुखी जीवन जी पाता है।

नुकसान

लोग गलतियों से अधिक उससे होने वाले नुकसान से घबराते हैं।

नुकसान

जब नुकसान की भरपाई दूसरे आय के स्रोतों से होती रहती है, तभी तक वे बर्दाश्त किये जाते हैं।

न्याय

न्याय सच्चे लोग जरूर कर सकते हैं, बशर्ते सच्चाई उन तक पहुँचे।

नौकरी

किसी के लिए भी अच्छी नौकरी के बजाए कोई बड़ा काम सीखने का सुयोग पाना, अधिक लाभकारी होता है।

प

परिवार

जिस युवक में परिवार के प्रति कर्त्तव्य का बोध है, घर के लोगों के लिए सीने में प्यार है। एक पिता सारे तालों की चाभी उसी को सौंप कर तसल्ली पाता है।

परिवार

आप सभी से प्रेम निभा सकते हैं, इसलिए संयुक्त परिवार में हैं; आप केवल अपने परिवार से मोह रखते हैं इसलिए अलग हैं।

पर्व-त्योहार

गाँव पर्व–त्योहार को शहर की तुलना में बेहद अच्छी तरह से मनाते हैं।

पतंग

पतंग कटने पर दूसरों के नसीब में चली जाती है, लेकिन धागा आपको वापस करके।

पत्र

पत्र लिखना बेहद आसान है लेकिन इससे प्रभावित करना बेहद मुश्किल काम है।

पत्र

एक स्तरीय पत्र अपने कथन को वास्तविकता के समरूप प्रेषित करने की क्षमता रखता है।

परामर्श

किसी को परामर्श देना, भोजन में बिल्कुल सही नमक मिलाने जैसा है।

परामर्श

अत्यधिक परामर्श का दबाव लोग बर्दाश्त नहीं कर पाते।

पतंग

जब आप थक जाते हैं तो आपके साथ–साथ आपकी पतंग भी थक जाती है।

पसन्द

उम्र के साथ–साथ लोगों की पसन्द भी सिमटकर रह जाती है।

परीक्षा

किसी भी ताकत की परीक्षा सिर्फ एक बार में नहीं हो जाती। एक स्थापित पेड़ जब वर्षों–वर्षों तक फल–फूल देता रहता है, तब जाकर उसका मूल्यांकन होता है।

पर्व–त्योहार

पर्व–त्योहार को अमीर पैसे खर्च कर मनाते हैं और गरीब इनमें शामिल होकर।

पर्यावरण

दूषित पर्यावरण एक बड़ी आबादी को भी उसे सहने का आदी बना देता है।

पेड़

जो पेड़ के फल–फूल और छाया से संतुष्ट नहीं होता, वही पेड़ काटने का आदेश देता है।

पेड़

एक पेड़ नयी डालियों के सहारे ही खुबसूरत फूल उपजाता है, वैसी ही राष्ट्र नवयुवकों के माध्यम से एक अच्छे समाज का निर्माण करता है।

पेड़

पेड़ के पत्ते तोड़ने के बाद आप उन्हें जोड़ नहीं सकते ऐसी ही सम्भावना धनिष्ठ संबंधों के तोड़ने पर हो सकती है।

पेड़

अगर आपको चुप रहना नहीं आता है तो एक पेड़ से सीखिये या किसी पहाड़ से।

पेड़

फलों से लदे पेड़ की हर छिपी डालियाँ भी साफ–साफ नजर आती हैं।

पेड़

पेड़ काटने वाले को भी अपनी छाया का अंतिम सुख देकर ही जमीन पर गिरते हैं।

पेड़

फलों के निर्माण का कार्य, बीच में नहीं छोड़ देते हैं पेड़।

पिता

पिता पुत्र के चेहरे पर कभी हार नहीं देखना चाहता, वह पुत्र से अधिक इन कारणों की तलाश करने लगता है।

पिता

पुत्र के चेहरे की थकान, पिता के मन की थकान बन जाती है।

पिता

एक पुत्र जीवन की उलझनों में बार–बार फँसता है और पिता उसे इनसे हर बार निकालता जाता है। जिस दिन उसमें परिपक्वता आती है, उसकी उलझनों की उम्र खत्म हो चुकी होती है।

पिता

पिता की मृत्यु के बाद पैसे, सम्पत्ति सब कुछ आसानी से मिल जाएँगें बच्चों को, लेकिन उनका नाम हासिल करने के लिए उन्हें उतनी ही ऊँची छलाँग लगानी पड़ेगी।

पिता

शहर से बच्चे दूर चले जाते हैं लेकिन पिता के प्रेम से नहीं। पिता अपने मन की आँखों से भी पुत्र जो देख रहा होता है, उसे देखने की कोशिश करता है।

पिता

पिता चाहे कितना भी बूढ़ा या असहाय क्यों न हो जाये, लेकिन अपने बच्चों के प्रति प्रेम को मृत्युशय्या तक भी हृदय से सूखने नहीं देता है।

पिता

एक पिता की दूरदर्शिता अनेक पीढ़ीयों तक लाभ पहुँचाती रहती है।

पिता

पिता की जायदाद पेड़ की तरह है, इससे फल और बीज हासिल कर सकते हैं, लेकिन इसे काटने की कोशिश लगातार होने वाले लाभ से आपको वंचित कर देगी।

पिता

पिता की सीख से अधिक विश्वसनीय ज्ञान इस धरती पर कम ही है।

पुरस्कार

जो इस बात से प्रेरित है कि उसे कुछ बनना है या कोई बड़ा कार्य करना है, वह कर्मठता की होड़ में बहुत आगे बढ़ चुका होता है।

पुरस्कार

ताले का छेद सभी को दिखलाई देता है लेकिन चाभी हमेशा छुपी हुई होती है। वैसे ही पुरस्कार सभी को लुभाते हैं लेकिन उन्हें पाने का मार्ग कुछ के ही पास होता है।

प्रयास

कभी–कभी, बार–बार प्रयास करने पर भी सफलता नहीं मिलती, लेकिन एक आखिर प्रयास अब भी बचा होता है, जो सफलता देने के लिए खड़ा होता है।

प्रयास

जब आप किसी को लाभ से वंचित करने का प्रयास करते हैं तो आप विरोधी हो जाते हैं।

प्रयास

वे कभी हारते नहीं हैं, जिनका प्रयास कभी मरता नहीं है।

प्रेरणा

प्रेरणा के स्रोत हमें एक शिकारी की तरह पकड़ना चाहते हैं, और उनसे हम बचना चाहते हैं, यह ही हमारी बेवकूफी है।

प्रबंधन

जब आप एक बहुत बड़े समूह को काम देते हैं, देश के एक छोटे से हिस्से का पूरा प्रबंधन आपके पास होता है।

प्रबंधक

एक अच्छे प्रबंधक के पास बहुत सारी सफलताएँ तो होती हैं, लेकिन आजीवन दूसरों की गलतियों को देखने एवं सुधारने का काम भी मिला होता है।

प्रबंधक

जब व्यापार कमजोर प्रबंधक के हाथ में चला जाता है तो वफादार भयभीत होते हैं एवं कामचोर खुशियाँ मनाते हैं।

प्रदुषण

प्रदुषण आपके शरीर के भीतर घुसकर अपनी लड़ाई छेड़ता है।

प्रसिद्धि

प्रशंसनीय चीजों में अपनी प्रसिद्धि फैलाने की क्षमता हमेशा रहती है।

प्रशंसा

अग्नि के लिए घी और औरतों के लिये प्रशंसा, दोनों एक जैसा ही काम करती है।

प्रेम

प्रेम कभी सतह पर तिरता नहीं है, वह पानी की तरह जड़ों तक पहुँचता है।

प्रेम

जो अनाथ लोगों को शरण देते हैं, उनमें प्रेम की भावना अत्यधिक होती है।

प्रेम

लम्बा साथ निभाने वाला प्रेम ही अधिक विश्वसनीय होता है।

प्रेम

अपनी जिम्मेवारियाँ पूरा किये बिना आपने परिवार से प्रेम पाने की उम्मीद नहीं रखनी चाहिए।

प्रतिभा

आप में अगर सचमुच प्रतिभा है तो आपका साथ देने के लिए बहुत सारे लोग हाथ बढ़ायेंगे।

प्रतिभा

दबी हुई प्रतिभा अनुकूल समय आने पर बहुत बड़ा आकार ले लेती है।

प्रतिस्पर्धा

आप कोई भी काम करें, प्रतिस्पर्धा आपके सामने होगी।

प्रलोभन

आपको पैसे से चाहे प्यार हो न हो, लेकिन पैसा आपको लुभाने की कोशिश हमेशा करता रहेगा।

प्रेरणा

जो मजबूत और बड़े प्रेरणा–स्रोत को थामकर चलते हैं, उन्हें काफी दूर तक सहारा मिलता है। छोटे और साधारण प्रेरणा–स्रोत थोड़ी देर में ही अपने हाथ ढीले करने लगते हैं।

पैसा

पैसा विवाद पैदा करता है और फिर उसे सुलझाता भी है।

पैसा

पैसा चाहे कितना भी सुख क्यों न दे दे, जब जेब से छूटता है तो कष्ट देता ही है।

पैसा

दक्ष लोगों के पास पैसा अपनी वृद्धि के लिए स्वयं चला आता है।

पुस्तकें

कुछ पुस्तकें हम हमेशा बचा के रखते हैं, चाहे उन्हें पढ़े या न पढ़ें लेकिन उनसे कुछ न कुछ पाने का मोह आजीवन बना रहता है।

पुस्तक

गुणीजन अपनी दुर्लभ पुस्तक खो जाने पर, आभूषण खो जाने जैसा ही दुख महसूस करते है।

पूजा

जब भी पूजा होगी तो दीये से ही होगी, शहर की चकाचौंध रोशनी से नहीं।

पूजा

धार्मिक पुस्तकों को बड़े आदर से उठाया जाता है। चाहे वे हम उनसे कुछ लें या न लें, लेकिन यह तो प्रमाणित करती ही हैं कि ज्ञान हमेशा पूजा जाता है।

ब

बलवान
कई कमजोर लोगों का हक, हमेशा बलवान छीन ले जाते हैं।

बचपन
पुराना घर अच्छा लगता है; क्योंकि यह एक दर्पण की तरह आपको अपना बचपन दिखलाता है।

बच्चे
बच्चे अपनी खुशियों में हमें शामिल करना चाहते हैं, लेकिन हम उनकी तरह खुश तो नहीं हो सकते, हाँ संतोष जरूर कर सकते हैं।

बच्चे
बच्चे गलतियों को समझ नहीं पाते, जवान गलतियों को छुपाने की कोशिश करते हैं, प्रौढ़ गलतियों को सुधार न पाने का अफसोस करते हैं।

बल
अच्छी आर्थिक स्थिति अपने आप में एक बहुत बड़ा बल है।

बहाने

अच्छे बहाने भी कई बार आपको विवाद से बचा लेते हैं।

बहुरूपिये

बहुरूपिये और हममें एक समानता है कि जीवन भर हम अपने रूप बदलते रहते हैं और स्वांग करते रहते हैं। लेकिन एक असमानता भी है कि हम यह बेहद चतुराई से करते हैं और बिना किसी कृत्रिम रूप शृंगार और पोशाक के।

बुद्धिमान

बुद्धिमान शुरू से ही जानते हैं कि यह रास्ता उनके हक में नहीं है और मूर्ख ठोकर खाने के बाद।

बीज

जब बीज, मंदिर जैसी कोई जगह ढूँढ़ लेते हैं तो पेड़ बनने पर उनकी पूजा होने लगती है।

बोझ

व्यावसायिक बोझ हल्के हो जाते हैं, जब आप इन्हें छोटे–छोटे टुकड़ों में अनेक लोगों में बाँट देते हैं।

बेटी

एक बेटी की खुशी बतलाती है कि वह अपनी ससुराल के लिये गर्व करती है।

बेटी

पिता बेटी के घर आने की खुशी नहीं; बल्कि ससुराल से मिली खुशी को देखना चाहता है।

बुढ़ापा

जब आप एक छड़ी की जरूरत महसूस करें, समझ जाए बुढ़ापा आप में पूरी तरह से प्रवेश कर चुका है।

बुढ़ापा

समय काटने के साधन हों तो फिर बुढ़ापा याद नहीं रहता है।

बुद्धि

हमेशा दूसरों पर आश्रित रहना, अपनी बुद्धि को गिरवी रख देने जैसा ही है।

बाहर

दूसरों के मामले में उतना ही उलझे, जहाँ से तुरन्त बाहर आ सकें।

बेवकूफ़
घमंड आपको, आपके ही बनाये ऊँचे सिंहासान में बैठाकर बेवकूफ़ बनाये रखता है।

भ

भय
खुली आँखों से सभी भय खाते हैं; क्या पता कब उनके दोष पकड़ लिए जाएँ।

भविष्य
सूई की धार टूटने पर उसका भविष्य समाप्त हो जाता है।

भोजन
वही भोजन तृप्ति देता है, जो प्रेम से परोसा जाता है।

भोजन
जब भोजन अधिक होगा उसे बाँटा जाएगा, जब कम होगा तो उसे छुपाया जाएगा।

भोजन
बबूल का पेड़ आपकी नजरों में काँटों से भरा है और ऊँट की नजरों में भोजन से।

भिक्षुक

भिक्षुक इतना कम माँगता है कि गरीब भी उसे संतुष्ट कर दे। लेकिन शाम तक वह इतना प्राप्त कर लेता है कि कुछ गरीब भी इसमें से खा सके।

भीड़

भीड़ में उन्ही चेहरों को पहचाना जाता है, जिन्होंने अपनी पहचान बना ली है।

भीड़

भीड़ में खड़ा होना आपका मकसद नहीं है; बल्कि भीड़ जिसके लिए खड़ी है वह बनना आपका मकसद है।

भूल

सजग व्यक्ति अपनी भूल को असर दिखाने से पहले ही, सुधार लेते हैं।

भ्रांति

जब हमारी भ्रांति टूट जाती है तो कुछ देर के लिये हम उदास हो जाते हैं फिर खुश कि चलो गुमराह होकर जिस रास्ते से जा रहे थे, वहाँ से मन तो हटा।

म

मदद
अच्छे लोग थोड़ी सी मदद पाकर कृतज्ञता प्रकट करने लगते हैं, जबकि बुरे मदद पाकर कृतघ्न हो जाते हैं।

मदद
मुश्किलों के अगल-बगल ही मदद छिपी होती है जैसे काँटों की बगल में थोड़ी सी जगह उन्हें थामने के लिये।

मदद
जब आप लोगों के हित के लिऐ संघर्ष कर रहे होते हैं तो मदद का भरोसा हमेशा आपके साथ होता है।

मदद
एक बुझती हुई आग को घी की दो-चार बूँद भी फिर से प्रज्वलित कर देती है। इसी तरह ठीक समय पर मिली हुई मदद किसी को भी जीवन दान दे जाती है।

मदद
अनेक सीखे हुए कामों की मदद से ही कोई नया काम आसानी से किया जाता है।

महँगाई
महँगाई का असर खत्म करने के लिए उसी अनुपात में आपको थोड़ा और अधिक कमाना होता है।

महत्त्वपूर्ण
महापुरुषों को जानना नहीं; बल्कि उनसे लाभ उठाना महत्त्वपूर्ण होता है।

महत्त्वपूर्ण
आप महत्त्वपूर्ण हो जाते है, जब कुछ नया करके दिखलाते हैं।

महत्त्वाकांक्षी
एक महत्त्वाकांक्षी के लिए उसकी इच्छा पूर्त्ति ही केवल महत्त्व रखती है।

मनमुटाव
अच्छे होते कामों के बीच, मनमुटाव अक्सर अपनी हाजिरी लगा देता हैं।

मनुष्य
व्यस्त होने पर मनुष्य का एक रूप होता है और फुर्सत में दूसरा।

मनुष्य

प्रत्येक मनुष्य में यह खासियत है कि वह कोई न कोई काम बहुत अच्छी तरह से कर सकता है।

मनुष्य

जिस तरह से लोग अपनी बुराइयों को नहीं छोड़ते, मनुष्य के पास एक खास बात है कि वह अपनी अच्छाइयों को भी इतनी आसानी से नहीं छोड़ता।

मस्तिष्क

आपके द्वारा कुछ भी पढ़ा हुआ मस्तिष्क की पुस्तक के पन्नों में वृद्धि करता रहता है।

मातृभाषा

लोगों से उनकी मातृभाषा छीनने का प्रयास, उन्हें जबरदस्ती गूँगा ही कर देना है।

मातृभाषा

जब आप दूसरों की मातृभाषा में बोलते हैं तो उनके प्यारे हो जाते हैं।

मातृभाषा

जिन बच्चों के कानों में जन्म से ही मातृभाषा के स्वर गूँजते हैं, वे इसे कभी नहीं भूलते।

मार्ग
किसी भी चीज को पाने की छटपटाहट, आपको उस तक पहुँचने का मार्ग बतला देगी।

माँ
गर्भ में आया बच्चा एक माँ के लिए आजीवन सुख का कारण बनता है।

माँ
माँ अपने लिए खर्च करती है तो पहले बच्चों के लिए कुछ खरीदकर ही।

माँ
एक माँ जब बच्चों के पीछे भागती है तो यह नहीं देखती कि पाँव में जूती है या नहीं।

माँ
एक माँ की तकलीफ पैसों से कम, प्यार से अधिक दूर होती है।

मेहनत
एक फल के पीछे लाखों जड़ों की मेहनत छिपी होती है।

मौत

दुर्गम पहाड़ी रास्तों में एक ओर आप चलते हैं और ठीक बगल में मौत भी आपके साथ–साथ चलती है।

मौत

मौत को आने के लिए खुले दरवाजे की कोई आवश्यकता नहीं है।

मौत

जिन्दगी की सबसे काली रात है, किसी प्रिय की मौत।

मौन

मौन का अभ्यास आपमें सोच समझकर बोलने की प्रवृत्ति को विकसीत करता है।

मूर्ख

मूर्ख, दी गयी चेतावनी दो पल में तोड़ देते हैं।

मूर्ख

अधूरे कामों से कुछ पाने की इच्छा केवल मूर्ख ही करते हैं।

मूर्खता

आप मूर्खों को पूरी तरह से दूर नहीं कर सकते, उनकी मूर्खता थोड़ी–बहुत झेलनी ही पड़ेगी।

मुखिया

जब आप सचमुच बहुत सारे लोगों की चिन्ता करते हैं तो आपमें जरूर एक मुखिया का गुण है।

मुखोटा

जिसने स्वंय पर श्रेष्ठता का मुखोटा लगा रखा है, उसे दूसरे क्या राय देंगे ?

मुसीबतें

मुसीबतें इतनी निर्दयी नहीं है कि केवल आपको मार कर ही छोड़ेगी, हो सकता है जाते–जाते आपको कुछ बनाकर ही जाए।

मुलाकात

व्यस्त लोगों को एक छोटी सी मुलाकात में ही प्रभावित करना होता है।

मिट्टी

गाँव की मिट्टी में जो खुशबू है वही लोक भाषा में भी है।

य

यातना
जरूरी काम समय पर नहीं करने का नुकसान तो हम उठा चुके होते हैं, लेकिन इसका पछतावा भी हमें बाद में यातना देने में कोई कसर नहीं छोड़ता।

यात्रा
एक यात्रा में सुख के क्षण कम होते जाते हैं, जब काम की परेशानियों को आप साथ लेकर चलते हैं।

यात्रा
एक यात्रा से जो मिलता है वो इतना विशाल होता है कि उसे केवल आपका मन ही धारण कर सकता है, दुनिया की कोई दूसरी चीज नहीं।

यात्री
अच्छे यात्री नये शहर को केवल देखकर नहीं, उससे बातें भी करके लौटते हैं।

याद
हमेशा पुराने दिनों को याद करते रहने से, आपके नये दिन कभी नहीं आते।

योजनाएँ

सबसे अच्छी रात हो सकती है जब चोर सोये हों। वो सबसे अच्छा दिन हो सकता है जब चोरों के दिमाग में योजनाएँ सो रही हों।

योग्यता

एक योग्य व्यक्ति को अपनी योग्यता सिद्ध करने के मौके बार-बार मिलते हैं।

युक्ति

कोई न कोई युक्ति अभी भी बची होती है, जो आपकी हार को जीत में बदल दे।

र

रक्त दाता
रक्त दाता समाज में भाई–चारे का संदेश फैलाते हैं।

राज्य
डालियाँ काटों को पनाह देती है और फूलों को भी; एक राज्य के साथ ऐसी मजबूरी हमेशा जुड़ी रहती है।

रास्ता
सफलता का रास्ता वही है जो आपने अपने भीतर बनाया है तथा जिसे केवल आप ही जानते हैं।

रास्ता
जहाँ रास्ते बंद होते हैं, ठीक उन्हीं की बगल से एक नया रास्ता निकलता है, आपको मंजिल तक पहुँचाने के लिए।

रास्ते
हमारे रास्ते वे नहीं होते जो सभी को दिखलाई देते हैं; बल्कि वे होते हैं जो केवल हमें दिखलाई देते हैं, तभी हम आगे बढ़ पाते हैं।

रास्ते

जो रास्ते आसान होंगे, वहाँ हमेशा भीड़ दिखाई देगी और मुश्किल रास्ते हमेशा सुनसान।

रास्ते

सभी कार्यों को सम्पन्न करने के लिए रास्ते हैं एवं उपाय भी। जो उन्हें जानता है वह उसमें लग जाता है, दूसरे चुपचाप बैठे रहते हैं।

रास्ते

पारदर्शी काँच से रोशनी तो प्रवेश कर जाती है लेकिन हवा केवल दस्तक देती रह जाती है। इसलिए जो रास्ते एक के लिए सुगम होते हैं, दूसरे उनका अनुसरण करके धोखा खा जाते हैं।

रोजगार

श्रमिक से अधिक उसके परिवार की खुशी रोजगार में प्रवेश करती है।

रोजगार

जो आज आप से रोजगार पाते हैं, कल दूसरों को रोजगार देने लायक बनते हैं।

रोशनी

लगातार रोशनी डालने पर ही छिपी हुई चीजें स्पष्ट होने लगती हैं।

रोशनी

जिनके पास रोशनी है, अंधेरा उनके आड़े नहीं आता।

रुकावटें

रुकावटें आपकी सफलता की गति को रोकती है लेकिन अनुभव बटोरने के लिए समय भी देती है।

रुचि

कभी–कभी लोग हमसे बड़े और बहुत सारे काम करवा लेते हैं; क्योंकि वे हमारी रुची के अनुसार ही हमें काम देते हैं।

ल

लगन
आपकी अत्यधिक लगन, विषयों के छिपे हुए अनेक पहलुओं को टटोलने लगती है।

लाभ
आप लोगों को स्थायी लाभ की चीजें देकर ही अपनी ख्याति को स्थायी कर पाते हैं।

लाभ
लोगों की परेशानी का सबसे अधिक लाभ साधू, तांत्रिक, ज्योतिषी, एवं ओझा आदि उठाते हैं।

लोभ
अत्यधिक लोभ पनपने से दो मित्रों के बीच एक दीवार खड़ी हो जाती है।

लोभी
लोभी अपनी इच्छा को हमेशा दूसरों के सामने किसी न किसी रूप में रखने की चेष्टा करता है।

लोकप्रियता

सच्ची लोकप्रियता जंगल, झरनों, पर्वतों, बाग–बगीचे जैसे प्राकृतिक स्थलों के पास हैं, ये किसी को बुलाते नहीं, लोग वहाँ तक खुद ब खुद चलकर जाते हैं।

लेखन

लेखन की दृढ़ इच्छा से ही अच्छे शब्द कागज पर उतर कर आते हैं।

लेखक

आरम्भ में लेखक को कल्पना की एक छोटी सी ही सीढ़ी मिलती है, जिसका विस्तार वह आसमान तक कर लेता है।

व

वाणी
आप सौंदर्य प्रसाधनों से चेहरे को खुबसूरत बना सकते हैं, लेकिन आपकी वाणी को नहीं।

वासना
वासना का अन्तिम छोर रिक्तता है।

वासना
वासना से भरे पाँव रिक्त होने के बाद ही पीछे की ओर मुड़कर देखते हैं।

व्यवस्था
काबिल व्यक्ति के जब पाँव चलने लगते हैं तो व्यवस्था एक नया मोड़ ले लेती है।

व्यवसाय
एक व्यवसाय में भूमी, पूँजी, श्रम, ऊर्जा, मशीनों आदि सभी को एक साथ मथने पर ही लाभ निकल कर आता है।

व्यवसाय

जब फायदा खुश होकर देखा जाता है और नुकसान आँखें बंद करके; यही व्यवसाय की विफलता का कारण बन जाता है।

व्यवसाय

आमदनी कम और किया जा रहा खर्च अधिक हो तो मूलधन बीमार होने लगता है और सारे व्यवसाय का रक्त-प्रवाह सुस्त पड़ने लगता है।

व्यवसाय

व्यवसाय में हो रहे नुकसान की सूचना अचानक मिलती है, जबकि यह हो रहा होता है बहुत पहले से।

व्यवसायी

एक व्यवसायी को चारों तरफ व्यवसाय दिखता है, जैसे पक्षियों को असंख्य भोजन के स्रोत।

व्यवसायी

एक स्रोत से भी भूखा संतुष्ट हो जाता है; लेकिन व्यवसायी अनगिनत व्यावसायिक स्रोतों से भी नहीं।

व्यवसायी

जो व्यवसायी स्वयं अपने एवं लोगों के श्रम, पूंजी, भवन, मशीनों, भण्डार, आदि की गति एवं स्थिति के एक–एक पल का हिसाब रखते हैं, वे ही सही उद्यमी होते हैं।

व्यवसायी

जो व्यवसायी किसी का काम अपनी वजह से रुकने नहीं देते, बाजार में उनकी शाख गहरी होती जाती है।

व्यवसायी

अनेक आय स्रोतों को स्थापित कर लेना, एक व्यवसायी की बहुत बड़ी उपलब्धी होती है।

व्यापार

व्यापार में उधार उन्हीं को मिलता है, जिनमें लाभ कमाने की दक्षता होती है।

व्यापार

व्यापार में बहुत तेज दौड़ने का प्रयास करने वाले गड्ढों के सामने सम्भल नहीं पाते हैं।

व्यापार

आप लाख यत्न कर लें लेकिन व्यापार में हानि का अंश नाखून की तरह थोड़ा-थोड़ा करके बढ़ता ही रहेगा।

व्यापार

व्यापार में कूदने के बाद सदैव हाँथ-पाँव हिलाते रहना होगा; आपकी स्थिरता एक अपूरणीय क्षति में बदल जाएगी।

व्यापार

गोपनीयता सूत्र है व्यापार का, वही नहीं रहा तो फिर बचा क्या।

व्यापारी

कुशल व्यापारी वही बात करता है जिससे उसका लाभ हो, नुकसान पहुँचाने वाली बातों में चुप हो जाता है।

व्यापारी

प्रतिद्वंद्वी कब और कहाँ से आएँगे, यह एक व्यापारी के वश में नहीं होता।

व्यापारी

चतुर व्यापारी जल्दी ही समझ जाता है कि कौन से ग्राहक के पैसे उसकी ओर आ सकते हैं।

व्यापारी

एक दवा का व्यापारी ही ठीक से जानता है, बीमारियों के अनगिनत रूपों को।

व्यापारी

एक कुशल व्यापारी की दस अँगुलियाँ, एक साथ दस तरह का काम करती हैं।

व्यापारी

जिन कार्यों से लाभ की सम्भावना अधिक रहती है, उनकी देख–रेख व्यापारी सबसे पहले करता है।

व्यापारी

प्यासे को पानी के बाद क्या चाहिये, यह व्यापारी ही समझते हैं।

व्यापारी

एक कुशल व्यापारी की रुचि हमेशा महत्वपूर्ण कामों की ओर होती है।

व्यवहार

शांत चित्त का व्यक्ति हमेशा आपसे अच्छा व्यवहार ही करेगा ।

विरोध

प्रत्येक विरोध हमारे ऊपर काबिज होने से पहले चेतावनी एवं सुलह का एक मौका जरूर देता है।

विस्तार

नयी चीजें शुरुआत में अपना पोषण दूसरों से माँगती है लेकिन स्थिरता आ जाने पर अपना विस्तार स्वयं करने लगती है।

विशिष्टता

अगर आदमी सिर्फ अपनी एक विशिष्टता का भी सौदा करके प्रचुर धन कमा लेता है तो वह सफल है।

विकास

राष्ट्र के औद्योगिक विकास के लिए लोगों को एक साथ बहुत सारी नयी–नयी चीजें, सीखनी और करनी पड़ती हैं।

विकल्प

जब बहुत सारे विकल्प हों तो प्रेम भी चतुराई से श्रेष्ठ से संबंध जोड़ने की कोशिश करता है।

विदाई

माँ छोटे बच्चे को स्कूल जाते समय, किसी बड़े सफर में जाने जैसी ही विदाई देती है।

विलम्ब
अच्छे निर्णयों को विलम्ब से बचाकर ही द्रुतगति प्रदान की जाती है।

विकल्प
अगर आप में आत्मविश्वास है तो वह काम करने के बहुत सारे विकल्प पैदा करता जाएगा।

विवाद
किसी भी तरह का विवाद आपको रोगी बना देता है।

श

शत्रु
दो पक्षों के आपस में जुड़ने में बाधा पहुँचाने वाला दोनों के लिए शत्रु हो जाता है।

शरीर
कोई ऐसा शरीर नहीं है जहाँ रोग नहीं है और नहीं कोई ऐसा मन जहाँ विकार न हो।

शहर
एक ऐतिहासिक शहर में उसका बुढ़ापा और जवानी साथ–साथ दिखेंगे।

शहर
एक औद्योगिक शहर धीरे–धीरे सुन्दर पक्षियों की तादाद से अपने को वंचित करता जाता है।

शरीर
उत्साह के बिना शरीर गतिशून्य हो जाता है।

शरीर
हँसते रहने से शरीर के जख्मों को आराम मिलता है, रोते रहने से वे हरे के हरे ही रहते हैं।

शरीर
शरीर के भीतर का दर्द, बाहर आकर उपद्रव करता है।

शरीर
सताये जा रहे लोगों के स्वर में एक पीड़ा होती है जो जीभ से नहीं पूरे शरीर के द्वारा प्रेषित होती है।

शासक
प्यादों की कमजोर चाल से ही शासक की प्रशासनिक क्षमता का आभास लग जाता है।

शादी

शादी तय होने के साथ लोग सपना देखना शुरू कर देते हैं, शादी हो जाने के बाद सपने से वापस लौटना शुरू कर देते हैं।

शांति

प्रकृति की शांति को महसूस करने के लिये आपको भी उतना ही शांत होना पड़ेगा।

शंका

डरे लोग हमेशा दूसरों को शंका की दृष्टि से देखते हैं।

शांत

मन जब बिल्कुल शांत हो, तब उसके भीतर झाँककर अपना जमा किया हुआ ज्ञान का खजाना देखा जा सकता है।

शैली

बहुत सारे लोग एक ही शैली में काम करते हुए दिखाई देते हैं, फिर भी उनमें समानता नहीं है क्योंकि विचार, गति, सामर्थ्य, बुद्धि, श्रद्धा का जोर सभी में अलग–अलग तरह से हावी हैं।

शिक्षा

शिक्षा की भूमि पर ही गर्व उपजता है।

शौक

आलसी लोग यात्रा का शौक नहीं पालते हैं।

शौक

अपना बड़प्पन दिखाने का शौक भी आदमी को बहुत सारी उलझनों में डाल देता है।

शिकार

शिकार के समय शेर के पंजों में अद्‌भुत बल दिखाई देता है और हिरण के पैरों में अद्‌भुत वेग।

शुरुआत

काम की शुरुआत तो कोई भी कर देता है, मुश्किलें तो गड्ढे में उतरने के बाद शुरू होती है।

स

समानता
अनन्त लोगों ने जीवन जीया है इस धरती पर, किंतु किसी एक में भी समानता नहीं रही।

सहयोग
आपका रत्तीभर सहयोग भी हो सकता है, सफलता का पलड़ा मित्र की ओर झुका दे।

समाधान
सभी समस्याओं का समाधान है लेकिन हठी लोग समाधान नहीं, समस्या को बनाये रखने में खुश रहते हैं।

स्वाद
जल स्वर्ण पात्र में रखकर पीने से भी वही स्वाद देता है।

समूह
काम को अच्छी तरह से करने वाले समूह में उसे उलझाने वाले लोग भी मौजूद होते हैं।

समय

समय की कोई कीमत नहीं होती लेकिन इस समय से जो हमने पाया है, उसकी अवश्य एक कीमत होती है।

समय

समय उन्हें हाथ का सहारा देकर गति देता है, जिनमें उसके साथ चलने की ऊर्जा और शक्ति होती है। समय उनका साथ छोड़ देता है जो अभी उसके साथ चलने में अयोग्य है।

समय

आपको अपने समय का मूल्य खुद ही लगाना होता है।

समय

योजना के अभाव में हमारे घोड़े बंजर भूमि पर ही दौड़ते रहते हैं। अंत में हम और हमारे सारे लोग थक जाते हैं और गुजरा हुआ समय हम पर हँसता हुआ दूर चला जाता है।

सपना

आपका एक सपना पूरा होता है, दूसरा सामने खड़ा होता है और तीसरे के लिए इच्छा उपजती रहती है।

सपना
सबसे अच्छा सपना वही है जो वास्तविकता दिखलाये।

सच
सच कटु होता है, फिर भी लोग सच ही सुनना पसन्द करते हैं, बजाए झूठ के।

सच्चाई
इतिहास हमें जानकारी देता है और उसके अवशेष उसकी सच्चाई पर हमें भरोसा दिलाते हैं।

सत्य
सत्य जब बोला जाता है, बहुत कम शब्दों का सहारा लेता है।

सद्‌बुद्धि
सद्‌बुद्धि वाले लोग स्वजनों से अपमानित होने पर उनसे अलग हट जाना चाहते हैं लेकिन उनका अहित नहीं सोचते।

सर्तकता
सही तौल कर देने में जितनी सतर्कता और ईमानदारी चाहिए उतनी ही शीर्ष की ओर बढ़ने की इच्छा रखने वाले में।

सफल

कई आगे बढ़ते हैं, कई आगे बढ़कर पीछे लौटते हैं। सफल वही हैं जो पहले ही सोच समझकर आगे बढ़ते हैं।

सहारा

अतृप्त मन कभी अकेला नहीं रह सकता, वह हमेशा दूसरों का सहारा ढूँढ़ता रहता है।

समस्याएँ

सारी रात जागने वाला दिन की नींद चाहता है, जहाँ अभी प्रेम उदित हो रहा है वह प्रेमी तलाशता है, तो बैल सुस्ताने के लिये नियंत्रण से मुक्ति। सभी समस्याएँ पैदा होते ही अपना हल माँगती हैं।

समस्या

एक समान समस्या से ग्रसित लोग ही दूसरों के लिए अच्छी तरह से लड़ पाते हैं।

समस्या

जब आप समस्या को सुलझा नहीं पाते, वह दूसरों के हाथों में चली जाती है।

सहनशील

सहनशील लोगों को पानी की तरह कितनी बार ही उबलिये, फिर भी पीने योग्य बने रहेंगे।

सामर्थ्य

मिट्टी में दोष आ जाए तो बीज की सामर्थ्य भी वहाँ क्या कर सकती है।

साहित्य

साहित्य उसी को कुछ देता है, जो अच्छी तरह से उस तक पहुँच पाते हैं।

साहित्य

दुनिया में लोग बहुत सारे उद्यम करते हैं, उनमें हानि–लाभ का परिमाण निश्चित नहीं होता और न ही उसे प्राप्त होने की अवधि, लेकिन साहित्य अपने अध्ययन का लाभ तुरंत और निश्चित रूप से अपने पाठकों को देता है।

साथ

आप तेज नहीं दौड़ सकते लेकिन थोड़ा पीछे रहकर भी तो उनका साथ दे सकते हैं।

सेवा

सच्ची सेवा करने वाला कभी संतुष्ट नहीं हो सकता, बल्कि उसका हृदय उत्तरोत्तर उससे बड़ी सेवा करने का अनुरोध करता है। यह सिलसिला मृत्युपरांत ही खत्म हो पाता है।

सेवा

झूठे आश्वासनों को समझाने में देर लगती है। जब तक हम उन्हें समझते हैं। ऐसे लोग हमसे दूर जा चुके होते हैं और हम गँवा चुके होते हैं उनकी सेवा करने में अपना बहुमूल्य समय।

सेवा

सेवा करने वाले चाहे किसी पुण्य की इच्छा क्यों न रखते हों लेकिन सेवा पाने वाले उसके लिये पुण्य की कामना अवश्य करते हैं।

सेवा

जिनके पास कुछ भी नहीं है, उनके पास तन और मन हैं देने के लिए। जो इसे भी देना नहीं चाहते, उन्हें सेवा शब्द से ही दूर रहना चाहिये।

स्वाद

अच्छा स्वाद तभी पा सकेंगे जब आप में इसे पाने की रुचि हो।

संतुष्ट

आदमी तुलसी के पेड़, धर्म पुस्तक, जलते हुए दीये और देवताओं की तस्वीर के सामने हाथ जोड़कर भी संतुष्ट हो जाता है।

स्वादिष्ट

सबसे स्वादिष्ट पाने की इच्छा में हमें सारी स्वादिष्ट चीजों को चखना होता है।

स्मृति

होंठ बन्द कर लेने से बात वहीं खत्म हो जाती है। यादों को भुला दिये जाने से दुख कुछ कम। इस तरह से स्मृति को विस्मृति में बदलने की कला विवादों को नष्ट कर देती है।

स्वरूप

भीगे कोयले आग से अधिक धुँआ देते हैं। मृतप्राय चीजें अपने नष्ट होते हुए स्वरूप को इसी तरह से ही अधिक दर्शाती है।

सोना

सोना गलने पर अपना रूप छोड़ता है लेकिन गुण नहीं।

संघर्ष

जो जीवन के बहुत सारे कठिन संघर्षों को पार कर चुके होते हैं, अब उनकी ओर कोई नया संघर्ष डर से झाँकता भी नहीं।

स्वार्थ

जिनका आपसे स्वार्थ सिद्ध नहीं होता, वो आपकी इच्छाओं को मारने की चेष्टा करते हैं।

स्पर्द्धा

जो सचमुच स्पर्द्धा की दौड़ में शामिल हो जाते हैं, वे कभी हारते नहीं है। वे हारते भी हैं तो भी मैदान नहीं छोड़ते। आशावान बने रहते हैं कि फासला अब अधिक नहीं है। थोड़ी तेज रफ्तार की जरूरत है बस।

स्त्रियाँ

स्त्रियाँ जब तक स्वयं पर आश्रित होकर जीना नहीं सीख लेतीं तब तक आधा देश गुलाम ही रहेगा।

सुख
आदमी की सबसे बड़ी कमी है, उपलब्ध सुख को भोगने के बजाए, अनुपलब्ध सुख के पीछे भागना।

सुरक्षा
सुरक्षा के नियम उनके पालन के लिए हमसे विनम्र निवेदन करते हैं; क्योंकि दुर्घटना से बचा हुआ एक व्यक्ति पूरे परिवार को बर्बाद होने से बचा लेता है।

सुविधाएँ
सुविधाएँ अकेली नहीं रह सकतीं, वे दूसरी तरह की सुविधाओं को भी अपने पास खींचती रहती हैं।

सीढ़ियाँ
हमने सारी सीढ़ियाँ चढ़ ली लेकिन अन्तिम नहीं चढ़ी तो कोई लाभ नहीं हुआ।

सूक्ति
दुनिया की सबसे सुन्दर बात है सूक्ति और सबसे बूरी बात है उसे पढ़ा न जाना।

सूर्योदय
जिनमें काम करने की अत्यधिक भूख है, उनका सवेरा सूर्योदय से पहले हो जाता है।

सुरक्षा
सुरक्षा के नियमों का पालन नहीं करने पर ही दुर्घटना अपने कदम आप की ओर बढ़ाती है।

सुरक्षा
धन की अधिकता नहीं; बल्कि उसकी सुरक्षा की चिन्ता आपको प्रताड़ित करती है।

सुरक्षित
दुनिया की सबसे सुरक्षित जगह वह है जहाँ धन छिपा होता है।

सुशासन
सुशासन शतरंज की खेल की तरह सभी मोहरों की ताकत को एक साथ व्यवस्थित करके रखने जैसा है।

संघर्ष
प्रत्येक संघर्ष में एक आशा की किरण हमेशा दिखलाई पड़ती रहती है।

संकेत
काम में देरी होना, उसके उलझ जाने का संकेत देता है।

संवाद

जब परेशानियाँ आपसे संवाद कर रही होती हैं, उस वक्त नींद वहाँ से हट जाती है।

संवाद

जहाँ संवाद स्थापित नहीं हो पाता, वहाँ विवाद बना रहता है।

सीढ़ी

चीजों को जानने की बजाए उन्हें अनुभव करना, आपको एक सीढ़ी ऊपर ले जाता है।

सिंचाई

नौसिखए खेत में सिंचाई करने के बदले उसमें पानी भरने लगते हैं।

सूरज

ढलता हुआ सूरज भी मित्रों का साथ धीरे-धीरे छोड़ता है।

सूरज

चाहे सूरज से कितने ही दूर क्यों न हों हम, उसकी किरणें हमेशा हमारे पास हैं।

ह

हत्या
हर हत्या के पीछे उसे प्रेरित करने वाले का हाथ होता है।

हस्ताक्षर
हस्ताक्षर से अधिक प्रमाणिक और सरल अभिव्यक्ति मनुष्य अभी तक खोज नहीं पाया है।

हास्य
हास्य जब घिसी– पिटी चीजों को छोड़कर नयी चीजों और नये माहौल को इंगित करता हुआ कोई नया मुहावरा गढ़ता है तभी सफल हो पाता है।

हार
जब लोग हार जाते हैं तो वे बाकी हारे हुए लोगों की संख्या गिनते हैं, बजाय अपनी हार स्वीकार करने या हार के कारणों का मूल्यांकन करने के।

हार
अपनी हार के लिए पछताने की बजाए जो उसे स्वीकार कर लेता है, वह मानसिक शांति में रहता है।

हानि

जिस हानि ने अभी अपना कोई निश्चित आकार नहीं लिया है, वह व्यापारी को कई दिनों तक असमंजस में डालकर रखती है।

हानि

हम लाभ से हानि निकाल देते हैं तो भी उम्मीद रहती है कि कुछ न कुछ लाभ बचेगा ही, लेकिन जहाँ केवल हानि है, वहाँ से लाभ तो कभी का लुप्त हो चुका होता है।

हानि

हानि की आशंका होते ही उपचार जरूरी है।

हानि

प्रचुर लाभ के सामने छोटी सी हानि भी चुभने लगती है।

हानि

लाभ के कुछ ही रास्ते होते हैं, लेकिन हानि के लिए अनेक।

हुनर

काम रहम से नहीं, हुनर से मिलते हैं।

हुनर
पहाड़ की ढलान पर भी खड़े होने का हुनर पेड़ों में होता है।

हुनर
आपका अच्छा व्यवहार, आपके खराब हुनर को भी छुपा देता है।

क्ष

क्षमता
जब आप अपनी क्षमता के अनुसार ही फल पाने की आशा रखते हैं तो आपको इससे कुछ अधिक ही प्राप्त होता है।

ज्ञ

ज्ञान
परिपक्व ज्ञान अपने चमत्कार दिखाने में देर नहीं करता।

ज्ञान

पुस्तकों से लोग ढेर सारे ज्ञान के बजाय, अपने मन–पसंद ज्ञान को ही प्राप्त करते हैं।

ज्ञान

जिनमें ज्ञान की लालसा है, उन्हें हर चीज ज्ञानवर्द्धक नजर आती है।

ज्ञान

मन की स्पष्टता ही ज्ञान को अच्छी तरह से समझने में मदद करती है।

ज्ञान

सुन्दरता समय के साथ ढलने लगती है, लेकिन ज्ञान समय के साथ निखरने लगता है।

ज्ञानी

अनेक उपलब्ध चीजो में से सबसे श्रेष्ठ को देख पाने वाला ही ज्ञानी होता है।

श्र

श्रम
हर नये तरीके प्रारंभ में अत्यधिक श्रम की माँग करते हैं।

श्रेय
एक साथ मिलकर किये जाने वाले काम की अपेक्षा अकेले किये जाने वाले काम में आपको श्रेय अधिक मिलता है।

श्रेष्ठ
हमेशा श्रेष्ठ को खुद ही पहचानना होता है तभी आत्मसंतुष्टि मिलती है।

श्रेष्ठ
स्वंय को श्रेष्ठ समझने वाला अपने काम के तरीके कभी नहीं बदलता।

श्रेष्ठता
किसी की श्रेष्ठता का आधार यह है कि वह कितना लाभान्वित कर पा रहा है
दूसरों को।

–समाप्त–